



“सिंह-ममन सुहृद-वध” ॥ गीता ॥

वीर-हृदीर

“सिंह-ममन सुहृद-वध”

कदलि करै इक बार

तिरिज-गोल, हसीर-हड,

जड़ै न हूमी बार” ॥

“शेखर”

“शेखर”